

धोरण : 9

हिन्दी

१८. अंधेरी नगरी

स्वाध्याय

## **प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-दो वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

**(1) महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला लिया?**

➤ महंत ने नगर की असलियत जानकर वहाँ क्षणभर भी न रहने का निर्णय लिया।

**(2) अंधेरी नगरी में भाजी और खाजा किस भाव से बिकता था?**

➤ अँधेरी नगरी में भाजी और खाजा दोनों टके से भाव बिकता था।

**(3) कसाई ने भेड़ किससे मोल ली थी?**

➤ कसाई ने भेड़ एक गड्ढरिये से मोल ली थी।

**(4) महंत ने गोवर्धनदास को क्या सलाह दी थी?**

➤ महंत ने गोवर्धनदास को उस नगर में न रहने की सलाह दी थी, जहाँ टका सेर भाजी और टका सेर खाजा मिलता हो।

**(5) राजा फांसी चढ़ने को क्यों तैयार हो गया?**

➤ राजा फांसी चढ़ने को तैयार हो गया, क्योंकि महंत ने कहा था कि उस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधे स्वर्ग जाएगा।

## प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेरी नगरी में ही रहने का फैसला क्यों लिया?

➤ गोवर्धनदास में महंत जैसी दूरदृष्टि नहीं थी। उसे बस अपना पेट भरने की चिंता रहती थी। अंधेरी नगरी में टके सेर मिठाई मिलती थी। गोवर्धनदास को मिठाई खाने का शौक था। अंधेरी नगरी में रहकर वह कम पैसों में भी भरपेट मिठाई खा सकता था। इसलिए उसने अंधेरी नगरी में ही रहने का फैसला किया।

**(2) बकरी की मौत के लिए किस-किसको अपराधी ठहराया गया? राजा ने किसे-किसे और क्यों फँसी चढ़ाने का फैसला किया?**

►बकरी की मौत के लिए कल्लू बनिया, दीवार बनानेवाले कारीगर, चूनेवाले, भिश्ती, कसाई, गड़रिए और कोतवाल को अपराधी ठहराया गया। अंत में राजा ने कोतवाल को फँसी पर चढ़ाने का फैसला किया।

### (3) गोवर्धनदास पर पछताने की बारी क्यों आ गई?

►गुरु महंत का कहना न मानकर गोवर्धनदास ने अँधेरी नगरी में ही रहने का निर्णय किया था। उसने सोचा कि कम खर्च में अधिक मजे के साथ वहाँ रह सकता था। परंतु जब दुबला-पतला होने के कारण कोतवाल फाँसी से बच गया, तब सिपाहियों ने गोवर्धनदास को पकड़ा। सिपाहियों को न्याय-अन्याय तथा दोषी और निर्दोष की परवाह नहीं थी। उन्हें तो फाँसी पर चढ़ने लायक व्यक्ति की जरूरत थी। उनके द्वारा पकड़े जाने पर गोवर्धनदास को पछताने की बारी आई।

(4) महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल कैसे हो गए?

►जब गोवर्धनदास को फाँसी पर चढ़ाया जानेवाला था, तभी उसके गुरु महंतजी वहाँ पहुँच गए। गुरु ने शिष्य के कान में कुछ कहा और फिर गुरु-शिष्य फाँसी पर चढ़ने के लिए आपस में हुज्जत करने लगे। इससे सिपाही चकित हो गए। राजा, मंत्री और कोतवाल भी वहाँ पहुँच गए। पूछने पर महंत ने बताया कि उस मुहूर्त में फाँसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा। स्वर्ग के लालच में चौपट राजा खुद फाँसी पर चढ़ गया। इस प्रकार गोवर्धनदास की जान बचाने में महंत सफल हो गए।

## (5) पाठ को 'अंधेरी नगरी' शीर्षक क्यों दिया गया?

- कहावत है - 'यथा राजा तथा प्रजा' प्रस्तुत एकांकी इस कहावत को पूरी तरह चरितार्थ करता है।
- एकांकी में एक दीवार गिरने के अपराध में कइयों पर दोष मढ़ा जाता है, पर अपने-अपने बचाव में सब सफल हो जाते हैं। अंत में कोतवाल दोषी सबित होता है, जिसका घटना से कोई संबंध नहीं है राजा उसे फाँसी देने का हुकम देता है। कोतवाल की पतली गरदन फाँसी के बड़े फंदे के लायक नहीं,

►इसलिए मोटे-ताजे गोवर्धनदास को पकड़ा जाता है। अंत में महंत की चतुराई से राजा स्वयं फँसी पर चढ़ जाता है। इस प्रकार अँधेरी नगरी सचमुच अँधेरी नगरी है। यहाँ सच और झूठ में कोई भेद नहीं किया जाता। यहाँ न कोई कानून है, न व्यवस्था। अपराध कोई करता है और दंड किसी और को दिया जाता है। इसलिए पाठ को 'अँधेरी नगरी' शीर्षक दिया गया है।

### **प्रश्न 3. आशय स्पष्ट कीजिए :**

**(1) अँधेरी नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।**

►मूर्ख राजा के राज्य में अच्छे-बुरे, साधारण-विशेष, उचित-अनुचित में कोई अंतर नहीं होता। खाजा जैसी महँगी मिठाई भी भाजी के भाव बेची जाती है। न्याय-अन्याय में भी कोई फर्क नहीं रखा जाता। राज्य में सब जगह अँधेर ही अँधेर दिखाई देता है।

## (2) राजा के जीतेजी और कौन स्वर्ग जा सकता है? हमको फाँसी चढ़ाओ, जल्दी करो।

►राजा को बताया गया कि फाँसी पर चढ़ने की वह बहुत शुभ घड़ी थी। उस समय फाँसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा। मूर्ख राजा स्वर्ग के लालच में आ गया। बुद्धि-विवेक का उसमें घोर अभाव था। महंत की चाल में फँसकर वह फाँसी पर चढ़ने के लिए तैयार हो गया। उसकी मूर्खता ही उसकी राजहठ बन गई।

## प्रश्न 4. सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) महंत अंधेरी नगरी में क्षणभर रहना नहीं चाहते?

(यथासमय, क्षणभर)

(2) मंत्री और नौकर लोग यथास्थान बैठे हैं। (इकट्ठा, यथास्थान)

(3) कोतवाल तूने सवारी धूमधाम से क्यों निकाली?

(मीठाई, सवारी)

(4) मुझे अपने शिष्य को अंतिम उपदेश देने दो। (शिष्य, गुरु)

(5) शुभघड़ी में जो मरा, सीधा स्वर्ग जाएगा। (महल, स्वर्ग)

## **प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए :**

**(1) न्याय माँगनेवाला**

➤ **फरियादी**

**(2) तस्कारी बेचनेवाली स्त्री**

➤ **कुँजड़िन**

**(3) चमड़े की खाल का बड़ा थैला**

➤ **मशक**

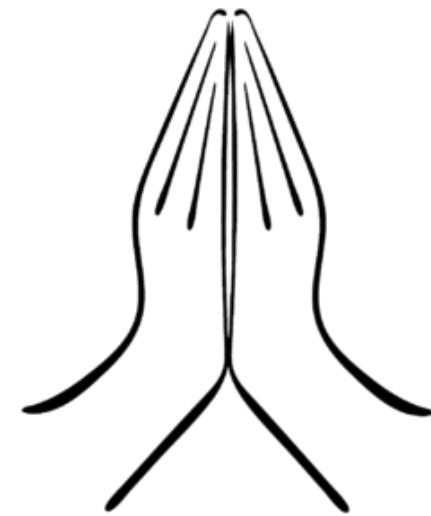
**(4) भेड़-बकरे चरानेवाला**

➤ **गड़रिया**

**(5) मीठाई बेचनेवाला**

➤ **हलवाई**

# THANKS



# FOR WATCHING